दिनांक 27.05.2026 को अभियंता प्रमुख, सिंचाई सृजन, जल संसाधन विभाग, पटना की अध्यक्षता में मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, नालंदा, बिहारशरीफ/गया/भागलपुर/डिहरी/औरंगाबाद परिक्षेत्राधीन 50 करोड़ रुपये से अधिक प्रगतिधीन योजनाओं से संबंधित समीक्षात्मक बैठक की कार्यवाही :-

मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, नालंदा, बिहारशरीफ परिक्षेत्राधीन

(i) गंगा जल आपूर्ति योजना के फेज-2 के पार्ट-1 के अन्तर्गत मधुवन जलाशय का निर्माण कार्य (क्षमता 27 MCM) एवं डिलिवरी सिस्टर्न का निर्माण कार्य।

मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, नालंदा, बिहारशरीफ द्वारा बताया गया कि योजना की भौतिक प्रगति 11.10 प्रतिशत है। योजनान्तर्गत 2.94 कि०मी० में मिट्टी बांध का निर्माण, 01 अदद् Surplus Weir, 02 अदद् Delivery Cisterns, 750 Rmt पाईप लाईन इत्यादि कार्य किया जाना है, जिसमें दोनों तरफ से उपलब्ध सरकारी भूमि एवं रैयतों की सहमति पर मिट्टी के बांध निर्माण का कार्य कराया जा रहा है, जिसमें COT का कार्य 630 मी० में पूर्ण एवं 400 मी० में प्रगति में है तथा रॉक टो का कार्य 300 मी० में पूर्ण एवं 100 मी० में प्रगति में है।

इस योजना हेतु कुल 525.939 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया जाना है। इसमें 255.067 एकड़ रैयती भूमि तथा 26.57 एकड़ सर्वसाधारण भूमि को आपात प्रक्रिया (U/S-40) के अन्तर्गत अधिग्रहण किया जाना है, जिसके लिए सभी रैयतों को LPC निर्गत की जा रही है।

इस योजना अन्तर्गत 14.297 एकड़ आवासीय भूमि का अधिग्रहण हेतु SIA का अंतिम प्रतिवेदन प्राप्त किया जाना है। मधुवन एवं मोतनाजे ग्राम को पुनर्वासन हेतु स्थल चयन करने की कार्रवाई की जा रही है।

इस योजना के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 में 15.95 करोड़ का आवंटन उपलब्ध कराया गया है, जिसका शतप्रतिशत व्यय कर लिया गया है।
(अनुपालनः- मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, नालंदा, बिहारशरीफ/अधीक्षण अभियंता, सिचांई अंचल, नालंदा, बिहारशरीफ/कार्यपालक अभियंता, सिंचाई प्रमंडल, घोषी)

(ii) मंडई वीयर एवं उससे निकलने वाली दायां एवं बायां मुख्य नहर प्रणाली तथा संरचनाओं के निर्माण कार्य।

मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, नालदा, बिहारशरीफ द्वारा बताया गया कि योजना की भौतिक प्रगति 77.88 प्रतिशत है। योजनांतर्गत 52.342 कि०मी० नहर में मिट्टी कार्य कराया जाना प्रावधानित है, जिसके विरूद्ध 37.877 कि०मी० में कार्य कराया गया है। साथ ही कुल 141 संरचनाओं के विरूद्ध 31 अदद् संरचनाओं का कार्य पूर्ण कराया गया है एवं 15 अदद् संरचनाओं में कार्य प्रगति पर है। योजनांतर्गत कुल 18.65 एकड़ बकास्त भूमि का रैयतीकरण किया जाना है, जिसमें से 9.49 एकड़ भूमि का रैयतीकरण किया गया है।

निदेश दिया गया कि पर्याप्त मात्रा में मानव बल एवं मशीनरी लगाते हुए योजना में विशेष प्रगति लाते हुए इसे ससमय पूर्ण किया जाय। साथ ही मुख्य अभियंता, सिंचाई

सृजन, नालदां, बिहारशरीफ को निदेशित किया गया कि शेष बकास्त भूमि का रैयतीकरण हेतु जिला पदाधिकारी, जहानाबाद से समन्वय स्थापित किया जाय।

(अनुपालनः– मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, नालंदा, बिहारशरीफ/अधीक्षण अभियंता, सिचांई अंचल, नालंदा, बिहारशरीफ/कार्यपालक अभियंता, सिंचाई प्रमंडल, घोषी)

(iii) प्रगति यात्रा के दौरान की गयी घोषणा के आलोक में नालंदा जिलांतर्गत सिंचाई प्रमंडल, बिहारशरीफ के अधीन पंचाने सिंचाई योजना का पुनर्स्थापन कार्य।

मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, नालदां, बिहारशरीफ द्वारा बतलाया गया कि इस योजना की भौतिक प्रगति 49.0 प्रतिशत है। इस योजनांतर्गत कुल 07 अदद् नहरों में कार्य कराया जा रहा है एवं इसे ससमय पूर्ण करा लिया जायेगा। निदेश दिया गया कि कराये जा रहे लाईनिंग कार्य की समुचित क्योरिंग सुनिश्चित की जाय तथा कार्य निर्धारित समय सीमा के अन्दर विशिष्टि एवं गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराया जाय।

(अनुपालनः– मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, नालंदा, बिहारशरीफ /अधीक्षण अभियंता, सिचांई अंचल, नालंदा, बिहारशरीफ/कार्यपालक अभियंता, सिंचाई प्रमंडल, बिहारशरीफ)

(iv) प्रगति यात्रा के दौरान की गयी घोषणा के आलोक में सिंचाई प्रमंडल, शेखपुरा अन्तर्गत सकरी सिंचाई योजना के वाजिदपुर से निःसृत मिरजैन नहर प्रणाली (0.00 कि०मी० से 28.20 कि०मी०), बरगैन वितरणी (0.00 कि०मी० से 11.50 कि०मी०) एवं मिरजैन वितरणी के 10.00 कि०मी० से निःसृत तेउसाईन ब्रांच कैनाल (0.00 कि०मी० से 8.00 कि०मी०) एवं बरगैन वितरणी के 6.50 कि०मी० से निःसृत ओनामा वितरणी (0.00 कि०मी० से 12.00 कि०मी०) तक का पुनर्स्थापन एवं लाईनिंग कार्य।

मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, नालदां, बिहारशरीफ द्वारा बतलाया गया कि इस योजना की भौतिक प्रगति 15.10 प्रतिशत है, जो कि वर्क्स प्रोग्राम के सापेक्ष काफी कम है। इस योजनांतर्गत कुल 11 नहरों में कार्य कराया जाना है, जिसमें से 05 नहरों में पुनर्स्थापन/लाईनिंग कार्य एवं शेष नहरों में पुनर्स्थापन कार्य कराया जाना है। योजनांतर्गत 78.90 कि०मी० में मिट्टी कार्य एवं 53.74 कि०मी० लाईनिंग कार्य कराया जाना प्रावधानित है, जिसके विरूद्ध 43.60 कि०मी० में मिट्टी कार्य एवं 2.60 कि०मी० में लाईनिंग कार्य कराया गया है। साथ ही कुल 47 संरचनाओं के विरूद्ध 04 अदद् संरचनाओं का कार्य पूर्ण एवं 16 अदद् संरचनाओं में कार्य प्रगति पर है।

निदेश दिया गया कि पर्याप्त मात्रा में मानव बल एवं मशीनरी लगाते हुए वर्क्स प्रोग्राम के अनुरूप कार्य में वांछित प्रगति प्राप्त की जाय। विशेषकर संरचना का कार्य समानुपातिक रूप से कराया जाय तथा कार्य में अपेक्षित तेजी लाकर निर्धारित समय सीमा के अन्दर कार्य विशिष्टि एवं गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराया जाय।

(अनुपालनः– मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, नालंदा, बिहारशरीफ /अधीक्षण अभियंता, सिचांई अंचल, नालंदा, बिहारशरीफ/कार्यपालक अभियंता, सिंचाई प्रमंडल, शेखपुरा)

मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, गया परिक्षेत्राधीन

(i) प्रगति यात्रा के दौरान की गयी घोषणा के आलोक में गया जिलान्तर्गत ईमामगंज प्रखंड के बीकोपुर पंचायत में मोरहर नदी पर कोठी वीयर के निर्माण एवं इससे निःसृत पईन के पुनर्स्थापन कार्य।

मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, गया द्वारा बतलाया गया कि इस योजना की भौतिक प्रगति 41.00 प्रतिशत है। योजनांतर्गत वीयर भाग एवं बायें अंडरस्लूईस भाग में कार्य कराया जा रहा है। डिभाईड वॉल के फाउंडेशन एवं बायां एफ्लक्स बांध में भी कार्य प्रगति पर है। इसपर निदेश दिया गया कि संवेदक से प्राप्त वर्क्स प्रोग्राम के अनुरूप कार्य में अपेक्षित तेजी लाकर निर्धारित समय सीमा के अन्दर कार्य विशिष्टि एवं गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराया जाय।

(अनुपालनः— मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, गया/अधीक्षण अभियंता, सिचांई अंचल, गया/कार्यपालक अभियंता, सिंचाई प्रमंडल, गया)

(ii) प्रगति यात्रा के दौरान की गयी घोषणा के आलोक में गया जिलान्तर्गत बतसपुर वीयर योजना अंतर्गत मोराटाल मुख्य पईन का चौड़ीकरण, विस्तारीकरण तथा पुनर्स्थापन कार्य।

मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, गया द्वारा बतलाया गया कि इस योजना की भौतिक प्रगति 16.50 प्रतिशत है। योजनांतर्गत 20.33 कि०मी० लाईनिंग कार्य कराया जाना प्रावधानित है, जिसके विरूद्ध 03 कि०मी० में लाईनिंग का कार्य कराया गया है। साथ ही 31 अदद् नये संरचनाओं का निर्माण तथा 22 अदद् संरचनाओं की मरम्मति का कार्य कराया जाना है, जिसकी प्रगति काफी धीमी है।

निदेश दिया गया कि पर्याप्त मात्रा में मानव बल एवं मशीनरी लगाते हुए वर्क्स प्रोग्राम के अनुरूप कार्य में वांछित प्रगति प्राप्त की जाय। विशेषकर संरचना का कार्य समानुपातिक रूप से कराया जाय तथा कार्य में अपेक्षित तेजी लाकर निर्धारित समय सीमा के अन्दर कार्य विशिष्टि एवं गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराया जाय।

(अनुपालनः— मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, गया/अधीक्षण अभियंता, सिचांई अंचल, गया/कार्यपालक अभियंता, तिलैया नहर प्रमंडल, वजीरगंज)

मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, भागलपुर परिक्षेत्राधीन

(i) बरनार जलाशय योजना :—

योजना की समीक्षा के क्रम में बताया गया कि वन भूमि अपयोजन की कार्रवाई प्रक्रियाधीन होने के कारण डैम का कार्य प्रारंभ नहीं किया जा सका है। योजना के कार्यान्वयन हेतु वांछित शेष गैर वन भूमि 307.43 एकड़ में से पुनपुन बराज योजना हेतु अधिग्रहित 102.98 एकड़ भूमि गैर वन—भूमि को हस्तांतरित किये जाने हेतु वन विभाग से सहमति हेतु अनुरोध किया गया है। शेष 204.45 एकड़ गैर वन—भूमि जिलाधिकारी, जमुई द्वारा चिन्हित की जा रही है।

निदेश दिया गया कि पुनपुन बराज योजना अंतर्गत पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग को हस्तांतरित किये जाने हेतु चिन्हित गैर वन—भूमि को हस्तांतरित

करने निमित्त आवश्यक कार्रवाई शीघ्रताशीघ्र पूर्ण किया जाय। साथ ही जिलाधिकारी, जमुई से समन्वय कर गैर–वन भूमि चिन्हित करने की कार्रवाई शीघ्र पूर्ण करायी जाय।

मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, भागलपुर द्वारा बताया गया कि योजनांतर्गत बायें एवं दायें मुख्य नहर के निर्माण हेतु 140.42 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया जाना है। इस संबंध में संयुक्त मापी सर्वेक्षण प्रतिवेदन दिनांक 20.04.2026 को जिला भू–अर्जन कार्यालय में समर्पित है। जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, जमुई की अध्यक्षता में गठित कमिटी द्वारा भौतिक सत्यापन की कार्रवाई की जा रही है।

निदेश दिया कि जिला भू–अर्जन कार्यालय में लगातार संपर्क कर भू–अर्जन की कार्रवाई शीघ्र पूर्ण कराया जाय।

मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, भागलपुर द्वारा बताया गया कि योजनांतर्गत मुख्य नहर में पूर्व से निर्मित संरचनाओं को ध्वस्त करने की कार्रवाई की जा रही है। भूमिगत पाईपलाईन का एलाईन्मेंट निर्धारित किया चुका है। दायाँ मुख्य नहर का डिजाईन अनुमोदन की प्रक्रिया में है।

निदेश दिया गया कि योजना अंतर्गत सभी रूपांकण कार्य शीघ्र पूर्ण किया जाय एवं जिन स्थलों पर कार्य कराया जा सकता है, उन स्थलों पर शीघ्र कार्य प्रारंभ किया जाय।

(कार्रवाईः– मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, भागलपुर/अधीक्षण अभियंता, सिंचाई अंचल, जमुई/कार्यपालक अभियंता, सिंचाई प्रमंडल, झाझा/मुख्य अभियता, सिंचाई सृजन, औरंगाबाद/कार्यपालक अभियंता, पुनपुन बराज प्रमंडल–1 एवं 2, गोह/संवेदक)

(ii) बाढ़ अवधि में गंगा नदी के अधिशेष जल को बदुआ तथा खड़गपुर जलाशय में अंतरण कार्य :–

योजना की समीक्षा के क्रम में बताया गया कि योजनांतर्गत इन्टेक वेल–सह–पम्प हाउस कार्य स्थल पर मिट्टी फिलिंग कार्य लगभग 90 प्रतिशत किया चुका है। शीघ्र ही निर्माण कार्य प्रारंभ किया जायेगा। बिजीखोरवा सिंचाई कॉलोनी में डिटेंशन टैंक–सह–पम्प हाउस कार्य स्थल पर मिट्टी कटिंग कार्य लगभग 95 प्रतिशत किया चुका है तथा पी०सी०सी० कार्य प्रारंभ किया गया है। पाईपलाईन का लेईंग कार्य अंतर्गत कुल 70.65 कि०मी० के विरूद्ध 20.03 कि०मी० लम्बाई में लेईंग कार्य पूर्ण किया गया है, शेष कार्य प्रगति में है। योजना कार्य की भौतिक प्रगति काफी धीमी है।

निदेश दिया गया कि मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, भागलपुर योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए बाधा रहित सभी बिन्दुओं पर शीघ्र कार्य प्रारंभ किया जाय। साथ ही योजना अंतर्गत भू–अर्जन/विद्युत पोल शिफ्टिंग/वृक्ष पातन/विस्थापन/एन०ओ०सी० एवं अन्य बाधाओं को दूर करने के लिए संबंधित विभागों से लगातार समन्वय स्थापित कर शीघ्र निष्पादित कराते हुए कार्य कराया जाय। कार्य स्थल पर पर्याप्त मात्रा में श्रमबल एवं मशीनरी के साथ कार्य को निर्धारित समयावधि में पूर्ण कराना सुनिश्चित किया जाय।

(कार्रवाईः– मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, भागलपुर/अधीक्षण अभियंता, सिंचाई अंचल, खड़गपुर/कार्यपालक अभियंता, सिंचाई प्रमंडल, तारापुर/बिजीखोरवा/संवेदक)

(iii) अपर किउल जलाशय योजनांतर्गत मुख्य नहर के 0.00 से 19.60 कि०मी० तक पुनर्स्थापन एवं लाईनिंग कार्य :–

योजना की समीक्षा के क्रम में बताया गया कि योजना के कार्यान्वयन में कोई बाधा नहीं है। मुख्य नहर में 13.50 कि०मी० मिट्टी कार्य एवं 6.00 कि०मी० में लाईन्गि कार्य पूर्ण किया जा चुका है। शेष कार्य प्रगति में है। योजना की भौतिक प्रगति 42 प्रतिशत है।

निदेश दिया गया कि कार्य स्थल पर पर्याप्त मात्रा में श्रमबल एवं मशीनरी के साथ कार्य को निर्धारित समयावधि में पूर्ण कराना सुनिश्चित किया जाय।

(कार्रवाईः– मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, भागलपुर/अधीक्षण अभियंता, सिंचाई अंचल, जमुई/कार्यपालक अभियंता, सिंचाई प्रमंडल, सिकंदरा/जमुई/संवेदक)

(iv) डकरानाला पम्प नहर योजना :–

योजना की समीक्षा के क्रम में बताया गया कि योजना अंतर्गत वेट संरचना का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है। पम्प हाउस कार्य स्थल पर राफ्ट कास्टिंग पूर्ण हो चुका है। आर०सी०सी० वाल 22 मी० के विरूद्ध 12.00 मी० पूर्ण हो चुका है, शेष कार्य प्रगति में है। मुख्य नहर में 7.62 कि०मी० लाईन्गि कार्य के विरूद्ध 4.90 कि०मी० में लाईन्गि पूर्ण किया जा चुका है। फरदा वितरणी में 13.45 कि०मी० लाईन्गि कार्य के विरूद्ध 6.5 कि०मी० में मिट्टी कार्य पूर्ण किया जा चुका है। साथ ही संरचनाओं का कार्य भी पूर्ण किया गया है। शेष कार्य प्रगति में है। योजना के कार्यान्वयन में कोई बाधा नहीं है। योजना की भौतिक प्रगति 41.25 प्रतिशत है। योजना की पूनरीक्षित प्राक्कलित राशि रू० 251.55 करोड़ पर प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त करने की कार्रवाई प्रक्रियाधीन है।

निदेश दिया गया कि कार्य स्थल पर पर्याप्त मात्रा में श्रमबल एवं मशीनरी के साथ कार्य को निर्धारित समयावधि में पूर्ण कराना सुनिश्चित किया जाय।

(कार्रवाईः– मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, भागलपुर/अधीक्षण अभियंता, सिंचाई अंचल, खड़गपुर/कार्यपालक अभियंता, गंगा पम्प नहर प्रमंडल, मुंगेर/संवेदक)

(v) सिंघवारणी जलाशय योजना :–

योजना की समीक्षा के क्रम में बताया गया कि योजना अंतर्गत 12.26 हे० वन भूमि अपयोजन की कार्रवाई पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा प्रक्रियाधीन होने के कारण वीयर का निर्माण कार्य बाधित है। नहर प्रणाली में कुल 9.66 कि०मी० के विरूद्ध 7.56 कि०मी० में कार्य पूर्ण है। शेष भाग में भू–अर्जन एवं वन भूमि अपयोजन की

कार्रवाई प्रक्रियाधीन होने के कारण नहीं कराया जा सका है। साथ ही अधिकांश संरचनाओं का कार्य करा लिया गया है।

वन भूमि अपयोजन हेतु 16 हे० गैर वन भूमि हस्तांतरण निमित स्टेज–1 की स्वीकृति प्राप्त है। अंतिम स्वीकृति हेतु 27 बिन्दुओं का अनुपालन किया जाना है, जिसमें से 26 बिन्दुओं का अनुपालन किया किया जा चुका है। अंतिम बिन्दु के अनुपालन के क्रम में गैर–वन भूमि का दाखिल–खारिज वन विभाग के नाम से किया जाना है, जिसके लिए सभी अभिलेख जिला भू–अर्जन कार्यालय, मुंगेर में जमा है एवं कार्रवाई प्रक्रियाधीन है।

निदेश दिया गया कि भू–अर्जन कार्यालय, मुंगेर में लगातार समन्वय स्थापित करते वन भूमि अपयोजन हेतु दाखिल–खारिज एवं भू–अर्जन की कार्रवाई शीघ्र पूर्ण कराया जाय।

(कार्रवाईः– मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, भागलपुर/अधीक्षण अभियंता, सिंचाई अंचल, खड़गपुर/कार्यपालक अभियंता, सिंचाई प्रमंडल, लक्ष्मीपुर/संवेदक)

(vi) <u>बटेश्वरस्थान गंगा पम्प नहर परियोजना</u> :–

योजना की समीक्षा के क्रम में बताया गया कि योजना अंतर्गत मुख्य नहर में 9.05 कि०मी० से 14.35 कि०मी० के बीच लाईन्गि एवं बिटुमिनस कार्य प्रगति में है। कुछ स्थलों पर छोरकर शेष स्थलों पर लाईन्गि कार्य कराया लिया गया है। बिटुमिनस कार्य प्रगति में है। कार्य की भोतिक प्रगति 82 प्रतिशत है। शेष कार्य प्रगति में है। वंशीपुर लघुनहर का अवशेष कार्य हेतु माह सितम्बर 2025 में एकरारनामा किया गया है। कार्य की भौतिक प्रगति 8 प्रतिशत है। साथ ही कासरी उपवितरणी के अवशेष कार्य हेतु जनवरी 2026 में एकरारनामा किया गया है एवं कार्य की भौतिक प्रगति 9.0 प्रतिशत है। शाखा नहर –II एवं हरिशचन्द्रपुर वितरणी में उड़नदस्ता जाँच के कारण कार्य बाधित है।

निदेश दिया गया कि कार्य स्थल पर पर्याप्त मात्रा में श्रमबल एवं मशीनरी के साथ अवशेष कार्य को निर्धारित समयावधि में पूर्ण कराना सुनिश्चित किया जाय। साथ ही शाखा नहर –II एवं हरिशचन्द्रपुर वितरणी में उड़नदस्ता जाँच प्रतिवेदन शीघ्र प्राप्त करते हुए जाँच प्रतिवेदन के आलोक में नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित किया जाय।

(कार्रवाईः– मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, भागलपुर/अधीक्षण अभियंता, सिंचाई अंचल, भागलपुर/कार्यपालक अभियंता, गंगा पम्प नहर प्रमंडल, कहलगाँव/शिवनारायणपुर/संवेदक)

(vii) <u>कुण्डघाट जलाशय योजना</u> :–

योजना की समीक्षा के क्रम में बताया गया कि योजना अंतर्गत डैम का निर्माण पूर्ण हो चुका है। स्पिलवे में यांत्रिक कार्य एवं नहर प्रणाली का कार्य प्रगति में है। नहर की कुल लंबाई 23.06 कि०मी० के विरूद्ध 18.07 कि०मी० में कार्य पूर्ण करा लिया गया है एवं

1.00 कि०मी० में कार्य प्रगति में है। भू–अर्जन की कार्रवाई प्रक्रियाधीन होने के कारण कार्य नहीं किया जा सका है। कुल प्रावधानित 97 अदद संरचना के विरूद्ध 26 अदद संरचना के कार्य पूर्ण हो चुका है एवं 4 अदद प्रगतिधीन है। कार्य की भौतिक प्रगति 95 प्रतिशत है।

निदेश दिया गया कि कार्य स्थल पर पर्याप्त मात्रा में श्रमबल एवं मशीनरी के साथ अवशेष कार्य को निर्धारित समयावधि में पूर्ण कराना सुनिश्चित किया जाय। साथ ही भू–अर्जन कार्यालय में लगातार समन्वय करते हुए भू–अर्जन की कार्रवाई शीघ्र पूर्ण कराया जाय।

(कार्रवाईः– मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, भागलपुर/अधीक्षण अभियंता, सिंचाई अंचल, जमुई/कार्यपालक अभियंता, सिंचाई प्रमंडल, सिकंदरा/संवेदक)

मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, औरंगाबाद परिक्षेत्राधीन

(i) औरंगाबाद जिलांतर्गत "नगर परिषद् औरंगाबाद के अंतर्गत अदरी नदी का सौन्दर्यीकरण एवं नदी तट का विकास कार्य :–

योजना के समीक्षा के क्रम में बताया गया कि योजना का प्रगति संतोषजनक नहीं है। योजनांतर्गत सीढ़ी घाट, पहुँच पथ तथा नाला का निर्माण कार्य प्रगतिधीन है, योजना अंतर्गत ओल्ड जी०टी० रोड के समीप अदरी पुल के अपस्ट्रीम एवं डाउनस्ट्ररीम में दोनो बाँधों पर लगभग 700 मी० में अतिक्रमण है, उक्त के क्रम में बताया गया कि जिला प्रशासन द्वारा कुछ अतिक्रमणकारियों को पुनर्वास हेतु बेला पंचायत में स्थल चिन्हित किया गया है। योजना की भौतिक प्रगति मात्र 23 प्रतिशत है।

निदेश दिया गया कि कार्य स्थल पर पर्याप्त मात्रा में श्रमबल एवं मशीनरी के साथ कार्य को निर्धारित समयावधि में पूर्ण कराना सुनिश्चित किया जाय तथा अतिक्रमण हटाने हेतु जिला से समन्वय कर आवश्यक कर्रवाई की जाय।

(कार्रवाईः– मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, औरंगाबाद/अधीक्षण अभियंता, सोन उच्चस्तरीय नहर अंचल, औरंगाबाद/कार्यपालक अभियंता, सोन उच्चस्तरीय नहर प्रमंडल, औरंगाबाद/संवेदक)

(ii) औरंगाबाद जिलांतर्गत सोन नदी से उद्वह सिंचाई के माध्यम से विशुनपुर उपवितरणी के शेष कमाण्ड क्षेत्र को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने का कार्य :–

योजना की समीक्षा के क्रम में बताया गया कि योजना के कार्यान्वयन में कोई बाधा नहीं है। योजनांतर्गत इनटेक वेल के स्थान पर पम्प–सह–सम्प हाउस का प्रावधान किया गया है, जिसका रूपांकण एवं आलेख्य कार्य किया जा रहा है। नहर के पुनर्स्थापन एवं लाईनिंग हेतु मिट्टी का कार्य प्रगति में है। योजना की भौतिक प्रगति मात्र 5.70 प्रतिशत है।

निदेश दिया गया कि कार्य स्थल पर श्रमबल एवं मशीनरी की समीक्षा करते हुए पर्याप्त मात्रा में श्रमबल एवं मशीनरी के साथ कार्य को निर्धारित समयावधि में पूर्ण कराना

सुनिश्चित किया जाय साथ ही पम्प–सह–सम्प हाउस के रूपांकण एवं आलेख्य को यथाशीघ्र तैयार करते हुए सक्षम प्राधिकार से अनुमोदन प्राप्त कर यथाशीघ्र कार्य प्रारंभ करने हेतु मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, जल संसाधन विभाग, औरंगाबाद को निदेशित किया गया।

(कार्रवाईः– मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, औरंगाबाद/अधीक्षण अभियंता, उत्तर कोयल नहर अंचल, औरंगाबाद/कार्यपालक अभियंता, उत्तर कोयल नहर प्रमंडल, नवीनगर/संवेदक)

(iii) <u>बिहार भू–भाग अंतर्गत उत्तर कोयल जलाशय योजना के अवशेष कार्य</u> :–

योजना की समीक्षा के क्रम में मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, जल संसाधन विभाग, औरंगाबाद बताया गया कि सीएनएस (CNS) हेतु आवश्यक मोरम झारखण्ड राज्य से उपलब्ध हो गई है। मुख्य नहर के विद्युत पोल को स्थानांतरित कर दिया गया है तथा एच०टी० (HT) वायर के ऊँचाई बढ़ाने हेतु निविदा प्रकाशित की गई है। वर्तमान में योजना की भौतिक प्रगति 34.15 प्रतिशत है।

मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, औरंगाबाद को निदेश दिया गया कि कार्यस्थल पर पर्याप्त श्रमबल एवं मशीनरी की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए संवेदक वॉपकोस लिमिटेड के साथ समीक्षा कर साप्ताहिक कार्य प्रगति 4 से 5 प्रतिशत के बीच की जाय साथ ही वितरण प्रणाली एवं अन्य सिलों पर अवस्थित बाधक विद्युत संरचनाओं के स्थानांतरण/हईट बढ़ाने में लगने वाली राशि की समेकित विवरणी सहित स्पष्ट प्रस्ताव अविलम्ब उपलब्ध कराने हेतु मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, जल संसाधन विभाग, औरंगाबाद को निदेशित किया गया।

(कार्रवाईः– मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, औरंगाबाद/अधीक्षण अभियंता, उत्तर कोयल नहर अंचल, औरंगाबाद/अधीक्षण अभियंता, उत्तर कोयल नहर अंचल, गया/कार्यपालक अभियंता, उत्तर कोयल नहर प्रमंडल, नवीनगर/अम्बा/औरंगाबाद/मदनपुर–शिविर–औरंगाबाद/ गया/संवेदक)

(iv) <u>पटना मुख्य नहर के बायें बाँध–सह–सोन सुरक्षा तटबंध पर बैदराबाद में राष्ट्रीय राज्य मार्ग 139 (NH-139) से पालीगंज वितरणी के शीर्ष नियामक तक एवं पालीगंज वितरणी के सेवापथ पर पालीगंज शीर्ष नियामक से कोरियम मोड़ तक कालीकृत सड़क का निर्माण कार्यः</u>–

योजना की समीक्षा के क्रम में बताया गया कि योजना का एकरारनामा दिनांक 29.04.2026 को किया गया है। वर्तमान में योजना की भौतिक प्रगति 01 प्रतिशत है।

निदेश दिया गया कि कार्य स्थल पर पर्याप्त मात्रा में श्रमबल एवं मशीनरी के साथ कार्य को निर्धारित समयावधि में पूर्ण कराना सुनिश्चित किया जाय।

(कार्रवाईः– मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, औरंगाबाद/अधीक्षण अभियंता, सोन उच्चस्तरीय नहर अंचल, औरंगाबाद/कार्यपालक अभियंता, सोन नहर प्रमंडल, खगौल/संवेदक)

<u>मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, डिहरी परिक्षेत्राधीन</u>

(i) जल–जीवन–हरियाली अभियान अंतर्गत टर्न–की आधार पर औरंगाबाद, डिहरी एवं सासाराम शहरों के लिए सेन नदी में उपलब्ध सतही जल का उपयोग करते हुए पेयजल उपलब्ध कराने का कार्यः–

योजना की समीक्षा के क्रम में बताया गया कि आवंटन के अभाव में योजना की वित्तीय प्रगति, भौतिक प्रगति के समानुपातिक नहीं है, वित्त विभाग से बंधेज सीमा को शिथिल करने हेतु अनुरोध किया गया है तथा सोन नदी में उपलब्ध सतही जल को औरंगाबाद के मजुराही सम्प में संकलित करने हेतु पाईप बिछाने के कार्य पर सहमति हेतु प्रस्ताव भेजा गया है। वर्तमान में योजना की भौतिक प्रगति 75.49 प्रतिशत है तथा वित्तीय प्रगति 62.22 प्रतिशत है।

निदेश दिया गया कि विचलन प्रस्ताव में वांछित संशोधन कर उपलब्ध करायी जाय।

(कार्रवाईः– मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, डिहरी/अधीक्षण अभियंता, सोन बराज अंचल, इन्द्रपुरी/कार्यपालक अभियंता, सोन बराज प्रमंडल, इन्द्रपुरी/सिंचाई प्रमंडल डिहरी/संवेदक)

(ii) जल–जीवन–हरियाली अभियान अंतर्गत टर्न–की आधार पर भभुआ एवं मोहनियॉ शहरों के लिए सतही जल का उपयोग करते हुए पेयजल उपलब्ध कराने का कार्य :–

- मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, डिहरी द्वारा बताया गया कि योजना की अद्यतन भौतिक प्रगति 43.10 प्रतिशत तथा वित्तीय प्रगति 49.64 प्रतिशत है। आगामी पक्ष हेतु भौतिक प्रगति का लक्ष्य 2 प्रतिशत रखा गया है।
- पिछले पक्ष में निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप प्रगति नहीं होने के संबंध में मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, डिहरी द्वारा बताया गया कि WTP के निर्माण कार्य स्थल पर Tree cutting हेतु DFO, कैमूर द्वारा कार्यकारी अनुमति प्राप्त हो गया है। Tree cutting के पश्चात् निर्माण कार्य में अपेक्षित वृद्धि होगी।

  निदेश दिया गया कि WTP निर्माण स्थल पर Tree cutting कार्य शीघ्र पूर्ण कराते हुए योजना के निर्माण कार्य में तीव्र गति लाना सुनिश्चित किया जाय तथा कार्यों की प्रगति का अपने स्तर से नियमित रूप से समीक्षा करते हुए नियमानुकूल कार्रवाई सुनिश्चित किया जाय।

(कार्रवाईः– अभियंता प्रमुख, सिंचाई सृजन/अभियंता प्रमुख, मुख्यालय/मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, डिहरी/अधीक्षण अभियंता, सिंचाई अंचल, भभुआ/ अधीक्षण अभियंता, दुर्गावती निर्माण अंचल, भीतरीबांध/कार्यपालक अभियंता, सिंचाई प्रमंडल, भभुआ/ कार्यपालक अभियंता, दुर्गावती बांध प्रमंडल–1, भीतबरीबांध)

(iii) उद्‌वह सिंचाई योजना सहित मलई बराज योजना का निर्माण कार्य :–

- कार्यपालक अभियंता, सिंचाई प्रमडल, नावानगर द्वारा बताया गया योजना की भौतिक प्रगति 17.54 प्रतिशत है तथा आगामी पक्ष में 05 प्रतिशत का लक्ष्य रखा गया है।
- पिछले पक्ष में निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप प्रगति नहीं होने के संबंध में मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, डिहरी द्वारा बताया गया कि स्थल पर Sheet Pile करने में समस्या आने

के कारण कार्य की प्रगति प्रभावित रही। साथ ही संवेदक द्वारा परिक्षेत्राधीन अन्य योजना का भी कार्य किया जा रहा है, जिसे नहर खुलने से पूर्व अधिकतम प्रगति प्राप्त किये जाने हेतु संवेदक द्वारा उक्त कार्य पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, डिहरी द्वारा उक्त जबाव पर क्षोभ व्यक्त किया गया तथा निदेश दिया गया कि स्थल पर संवेदक के Key Personnel, मानवबल, निर्माण सामग्री, मशीनरी की वांछित संख्या में उपलब्धता सुनिश्चित कराते हुए कार्य में Work Programme/Milestone के अनुरूप प्रगति लाना सुनिश्चित किया जाय।

(अनुपालनः— मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, डिहरी/अधीक्षण अभियंता, सोन बराज अंचल, अंचल, इन्द्रपुरी/ कार्यपालक अभियंता, सिंचाई प्रमडल, नावानगर)

(iv) सोन—कोहिरा लिंक सिंचाई योजना :—

- मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, डिहरी द्वारा बताया गया योजना की भौतिक प्रगति 43.10 प्रतिशत तथा वित्तीय प्रगति 49.09 प्रतिशत है एवं आगामी पक्ष में 7.80 प्रतिशत भौतिक प्रगति का लक्ष्य रखा गया है ।
- योजनान्तर्गत भू—अर्जन की स्थिति के संबंध में कार्यपालक अभियंता, सोन उच्चस्तरीय नहर प्रमंडल, भभुआ द्वारा बताया गया कि सभी रैयतों से सहमति पत्र प्राप्त कर लिया गया है एवं समाचार पत्रों में प्रकाशन की कार्रवाई की जा रही है।

  निदेश दिया गया कि योजना कार्य को विशिष्ट एवं गुणवत्ता के अनुरूप ससमय पूर्ण करायी जाय तथा आगामी खरीफ सिंचाई हेतु नहरों में ससमय जलश्राव प्रवाहित किये जाने के बिन्दु को ध्यान में रखते हुए अवशेष कार्य को शीघ्र पूर्ण कराना सुनिश्चित किया जाय।

(अनुपालनः— मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, डिहरी/अधीक्षण अभियंता, सिंचाई अंचल, भभुआ/ कार्यपालक अभियंता, सोन उच्चस्तरीय नहर प्रमंडल, भभुआ)

(v) जमानियाँ से ककरैत गंगाजल उद्वह सिंचाई योजनाः—

- मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, डिहरी द्वारा बताया गया कि योजनान्तर्गत उत्तर प्रदेश भू—भाग में भू—अर्जन किये जाने निमित प्रतिनियुक्त अभियंताओं की टीम द्वारा अधिकतम रैयतों से सहमती प्राप्त किया गया है, शीघ्र ही निबंधन/बैनामा करायी जायेगी।

निदेश दिया गया कि भूमि क्रय हेतु आवंटन निर्गत कर दिया गया है। भूमि क्रय किया जाना शीघ्र सुनिश्चित किया जाय।

(अनुपालनः— मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, डिहरी/अधीक्षण अभियंता, सिंचाई अंचल, भभुआ/कार्यपालक अभियंता, जमानियाँ पम्प नहर प्रमंडल, मोहनियाँ)

(vi) कर्मनाशा मुख्य नहर विस्तार एवं कुल्हड़िया वितरणी का पुर्नस्थापन एवं लाईनिंग कार्य।

- कार्यपालक अभियंता, सिंचाई प्रमडल, भभुआ द्वारा बताया गया कि योजना की भौतिक प्रगति 61.10 प्रतिशत है तथा वर्तमान में संवेदक द्वारा कर्मनाशा विस्तार एवं कुल्हड़िया वितरणी में कार्य कराया जा रहा है।
- विभागीय निदेश के आलोक में IIT, पटना द्वारा स्थल पर नमूना संग्रहन कर लिया गया है।

निदेश दिया गया कि IIT, पटना से समन्वय स्थापित कर जाँच प्रतिवेदन प्राप्त करने हेतु किसी सहायक अभियंता को प्राधिकृत किया जाय तथा जाँच प्रतिवेदन प्राप्त कर नियमानुकूल कार्रवाई सुनिश्चित किया जाय।

(अनुपालनः— मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, डिहरी/अधीक्षण अभियंता, सिंचाई अंचल, भभुआ/कार्यपालक अभियंता, सिंचाई प्रमडल, भभुआ)

29.05.26
(अनवर जमील)
अभियंता प्रमुख, सिंचाई सृजन

ज्ञापांक : पी०एम०सी०—03(टी०)ए०—15/2003—पार्ट—XVIII- 1252 पटना, दिनांक :29/05/26
प्रतिलिपि :मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, नालंदा, बिहारशरीफ/गया/भागलपुर/औरंगाबाद/डिहरी को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित। निदेश दिया जाता है कि अपने—अपने स्तर से संबंधित पदाधिकारियों को कार्यवाही की प्रति उपलब्ध कराते हुए अनुपालन कराना सुनिश्चित किया जाय।

29.05.26
अभियंता प्रमुख, सिंचाई सृजन

ज्ञापांक : पी०एम०सी०–03(टी०)ए०–15 / 2003–पार्ट–XVIII- 1252 पटना, दिनांक : 29/05/26
प्रतिलिपि : सचिव, जल संसाधन विभाग के प्रधान आप्त सचिव को सूचनार्थ प्रेषित।

29.05.26
अभियंता प्रमुख, सिंचाई सृजन

ज्ञापांक : पी०एम०सी०–03(टी०)ए०–15 / 2003–पार्ट–XVIII- 1252 पटना, दिनांक : 29/05/26
प्रतिलिपि : कार्यपालक अभियंता, आई०टी०, जल संसाधन विभाग, पटना को आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

29.05.26
अभियंता प्रमुख, सिंचाई सृजन